हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय
सामान्य प्रशासन शाखा

.....

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद् की वर्ष, 2015 की प्रथम विशेष बैठक की कार्यवाही, जो दिनांक 22 मई, 2015 को अपराह्न 2–30 बजे आचार्य ए0डी0एन0 बाजपेयी, कुलपति की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के समिति कक्ष में आयोजित की गई । बैठक में निम्नलिखित सम्माननीय सदस्य उपस्थित हुए :–

1– आचार्य राजिन्द्र सिंह चौहान
2– श्री पी0सी0 धीमान
3– श्री राजेश शर्मा
4– श्री दिनकर बुराठोकी
5– डॉ0 एस0एस0 कौशल
6– आचार्य पी0एन0 बंसल
7– आचार्य सतीश चन्द भढवाल
8– श्री देवी राम वर्मा
9– श्री हरीश जनारथा
10–डॉ0 अनुराग शर्मा
11–प्रो0 मोहन झारटा –कुलसचिव

सदस्य–सचिव

मद संख्य–1 : कुलपति महोदय का वक्तव्य।

.....

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय कार्यकारिणी परिषद् की **वर्ष 2015 की प्रथम विशेष बैठक** में मैं आप सभी सम्माननीय सदस्यों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करताहूँ।

इस अवधि के दौरान विश्वविद्यालय में निम्नलिखित कार्यक्रम, बैठकें, संगोष्ठियां और कार्यशालाएं आयोजित की गईः–

- दिनांक 01 मई, 2015 को महाराजा अग्रसेन विश्वविद्यालय, बद्दी में आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में विश्वविद्यालय की ओर से भाग लिया।

- दिनांक 02 मई, 2015 को विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ0 परमार की मूर्ति पर उनकी पुण्य तिथि के अवसर पर माल्यार्पण आयोजित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

- दिनांक 02 मई, 2015 को ही देशज ज्ञान को विज्ञान विषयों के पाठयक्रम में शामिल करने के लिए सभी विभागाध्यक्षों की बैठक आयोजित की गई।

- दिनांक 02 मई, 2015 को सरस्वती कन्या छात्रावास के वार्षिक उत्सव की अध्यक्षता की।

- दिनांक 04 मई, 2015 को विश्वविद्यालय सभागार में एन.बी.एच.–I,II,III के वार्षिक उत्सव की अध्यक्षता की।

- दिनांक 06 मई, 2015 को अर्थशास्त्र विभाग द्वारा बैंकों के माध्यम से आर्थिक विकास के लिए प्रायोजित कार्यक्रमों की जानकारी देने के सम्बन्ध में एकदिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई।

- दिनांक 11 मई, 2015 को महाविद्यालय विकास परिषद की वर्ष 2015 की पहली बैठक की अध्यक्षता की।

- दिनांक 15 मई, 2015 को हिमाचल प्रदेश के वर्तमान स्वरूप पर उसके आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक और सांस्कृतिक पहलूओं पर एकदिवसीय विचार–विमर्श आयोजिता किया गया।

- दिनांक 18 मई, 2015 को गणित विभाग द्वारा पांच दिवसीय कार्यशाला क्रिप्टोलॉजी विषय पर शुभांरभ किया गया।

- दिनांक 18 मई, 2015 को ही विश्वविद्यालय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के टैक्नोकल्चरल कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष श्री बृज बिहारी लाल बुटेल मुख्यातिथि रहे तथा इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

- दिनांक 18 मई, 2015 को ही विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केन्द्र में आपदा प्रबन्धन पर आरंभ हुए विशेष कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।

- दिनांक 18 मई, 2015 को ही गार्गी कन्या छात्रावास के वार्षिक उत्सव की अध्यक्षता की।

- दिनांक 19 मई, 2015 को विश्वविद्यालय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के टैक्नोकल्चरल कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य संसदीय सचिव (शिक्षा) श्री नीरज भारती मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

- दिनांक 20 मई, 2015 को राष्ट्रीय समाज विज्ञान परिषद् की दिल्ली में आयोजित बैठक में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

- दिनांक 21 मई, 2015 को विश्वविद्यालय सभागार में सभी कन्या छात्रावासों के संयुक्त वार्षिक उत्सव की अध्यक्षता की।

अब मैं विश्वविद्यालय के कुलसचिव से आग्रह करता हूं कि आज के लिए प्रस्तावित मदों को परिषद् के सम्मुख चर्चा एवं निर्णय के लिए प्रस्तुत करें।

<u>मद संख्या–2:</u> कुलपति महोदय द्वारा विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 12–सी(7) के अन्तर्गत लिए गए निर्णयों से अवगत करवाना ।

.....

कार्यकारिणी परिषद् ने कुलपति महोदय द्वारा विश्वविद्यालय अधिनियम की धारा 12–सी(7) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के अन्तर्गत श्री हरीश जनारथा को विश्वविद्यालय परिनियम की धारा–14(i)(3) के तहत कार्यकारिणी परिषद् से वित्त समिति के सदस्य के रूप में मनोनयन को नोट कर अनुमोदित किया ।

<u>मद संख्या–3:</u> हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के 22वें दीक्षांत समारोह 2015 में चार विभूतियों को मानद उपाधि प्रदान करने के सम्बन्ध में शैक्षणिक परिषद् की स्थायी समिति की बैठक दिनांक 15–05–2015 में मद संख्या–1 के अन्तर्गत की गई संस्तुति कार्यकारिणी परिषद् के समक्ष प्रस्तुत है ।

.....

कार्यकारिणी परिषद् ने मानद उपाधि प्रदान करने के लिए अपनाई जाने वाली आवश्यक प्रक्रिया के अनुसार शैक्षणिक परिषद् की स्थायी समिति की दिनांक 15–05 –2015 को हुई बैठक में की गई सिफारिशों के आधार पर निम्न चार विभूतियों को विश्वविद्यालय के 22वें दीक्षांत समारोह में भौतिक–विज्ञान संकाय, समाज–विज्ञान संकाय तथा भाषा संकाय में D.Sc. व D.Lit. की मानद उपाधियां प्रदान करने की स्वीकृति प्रदान कर विश्वविद्यालय कोर्ट के अनुमोदन हेतु प्रेषित कियाः–

1– डॉ0 के0 राधाकृष्णन, पूर्व अध्यक्ष, भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलूरू (D.Sc.-भौतिक–विज्ञान संकाय)

2– डॉ0 रघुराम जी राजन, गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक(D.Lit.-समाज–विज्ञान संकाय)

3– प्रो0 वेपा राव, वरिष्ठ पत्रकार, शिमला(D.Lit.-समाज–विज्ञान संकाय) ।

4– श्री गोविन्द व्यास, प्रख्यात कवि एवं साहित्यकार, हिन्दी भवन, नई दिल्ली (D.Lit.-भाषा संकाय)।

मद संख्या–4: कार्यकारिणी परिषद् के समक्ष माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा सहायक आचार्य की नियुक्ति के हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता NET की आवश्यक शर्त के सम्बन्ध में ।

.....

कार्यकारिणी परिषद् ने सहायक आचार्यों के पदों पर भर्ती के लिए जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली; दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली; बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी तथा अन्य आठ विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों द्वारा विज्ञापित विज्ञापनों पर विस्तार से विचार–विमर्श के उपरान्त

अपनी पिछली बैठक दिनांक 29–4–2015 को मद संख्या–9 के अंतर्गत लिए गए निर्णय जिसमें NET पास की शैक्षणिक योग्यता की अनिवार्यता रखी गई थी को निरस्त कर यह निर्णय लिया कि विश्वविद्यालय में सहायक आचार्यों के पदों की भर्ती विश्वविद्यालय द्वारा जारी विज्ञापन संख्याः भती–1/2014 दिनांक 8–9–2014 के अनुरूप ही की जाये।

The Executive Council further decided that the recruitment for the posts of Assistant Professors will be subject to the judgement of the Hon'ble Supreme Court of India in the matter of P. SUSHEELA & ORS. ETC.ETC. VERSUS UNIVERSITY GRANTS COMMISSION & ORS. ETC.ETC. ARISING OUT OF SLP(CIVIL) NOS. 36023-36032 OF 2010 and further guidelines/clarification, if any, issued by the University Grants Commission in this regard.

उपर्युक्त आशय का संशोधन समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जाये ।

अन्य मदः माननीय कुलपति महोदय जी के आदेशानुसार अधिसूचना संख्याः5–87/98–हि0प्र0वि0(शै0) दिनांक 8–7–2004 में निम्नलिखित संशोधन करने बारे प्रस्ताव ।

.....

कार्यकाकरिणी परिषद् ने अधिसूचना संख्याः 5–87/98–हि0प्र0वि0(शै0) दिनांक 8–7–2004 में संशोधन करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा केवल D.Lit. व Ph.D. पाठ्यक्रमों में प्रदान की जाने वाली उपाधियों पर किये जाने वाले हस्ताक्षर के प्रारूप में निम्नलिखित संशोधन करने की स्वीकृति प्रदान की :–

I. When the incumbent occupy the office of the Pro-Vice-Chancellor:

Sr.No.	Course	Existing Provision	Proposed Amendment
a)	D.Lit. & Ph.D.	Manual Signatures of the Chancellor and the Vice-Chancellor.	Facsimile of the Chancellor and manual signatures of the Vice-Chancellor.

II. **When the office of the Pro-Vice-Chancellor is vacant.**

Sr.No.	Course	Existing Provision	Proposed Amendment
a)	D.Lit. & Ph.D.	Manual Signatures of the Chancellor and the Vice-Chancellor.	Facsimile of the Chancellor and manual signatures of the Vice-Chancellor.

अन्त में बैठक पीठ को धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सम्पन्न हुई ।

(आचार्य मोहन झारटा)
कुलसचिव
सदस्य–सचिव

पुष्टिकरण

हस्ता0/–

(आचार्य ए.डी.एन. बाजपेयी)
कुलपति/सभापति